[श्री चन्द्र शेखर]

अगर कोई ऐसी बात हुई है, तो उसको ठीक किया जाएगा । इस पर कोई बहुत गुस्सा दिखाने की... (व्यवधान)

श्री माखन लाल फोतेदार इसको आज ही ठीक करिए ।

श्री चन्द्रशेखर : आज ही ठीक हो जाएगा । अब मान लीजिए कि कहीं कोई केवल बर्स्ट हो गया होगा, तो आज ही कैसे ठीक कर सकते हैं । मैं आपको बताऊं की कोई भी ऐसी बात नहीं कर सकता... (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : आप हरियाणा की सरकार के..... (व्यवधान)

श्री चन्द्र शेखर : हरियाणा की सरकार का मैं समर्थक हूं, यह भी बात मैं कहना चाहता हूं, तमाम गुस्से के बावजूद भी... (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : आपको कोई गुस्सा है ही नहीं ;

श्री चन्द्रशेखर : मुझे हरियाणा सरकार पर बिलकुल गुस्सा नहीं है । जो लोग गुस्सा दिखा रहे हैं हरियाणा सरकार से, उनका गुस्सा दूसरा हो जाता है । मैं व्यक्तिगत वजह से किसी सरकार के ऊपर कोई गुस्सा नहीं दिखाता चाहे वह हरियाणा की सरकार हो, चाहे वह आंध्र की हो, चाहे कर्नाटक की हो, चाहे तमिल नाडु की हो सब सरकारें हमारे लिए समान है । जब तक सरकारें अपने कर्तव्य का निर्वाह करती है, सब सरकारों से हमारा कोई गुस्सा नहीं है ।

श्री शंकर दयाल सिंह : महोदया, मैं यह कहना चाहता हूं कि... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now that matter is over, gx

I have that matter is over.

Shankar Dayalji, identified someone else... *(Interruption)*... No, that matter is over. The Thomson Press matter before this House is closed.

... (Interruptions)...

डा० अबरार अहमद (राजस्थान) : आपके माध्यम से मैं सदन का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं... (व्यवधान)

श्री शंकर दयाल सिंह : महोदया,... (व्यवधान)

उपसभापति : आप कृपया स्थान ग्रहण कीजिए । जब मैंने कहा कि यह मैटर बंद हो गया, तो उस पर कोई सवाल नहीं उठेगा ।

RE. WAR THREAT IN GULF REGION

डा० अबरार अहमद (राजस्थान) : महोदया, अभी प्रेस की बिजली का जिक्र चल रहा था, लेकिन आज जो गल्फ क्राइसिज किस तरफ जा रहा है, अगर उस तरफ ध्यान नहीं दिया गया, तो सारे देश की बिजली गुल हो जाएगी ।

आज सद्दाम हुसैन ने कुवैत से अपनी फौजों को हटाने के लिए मना कर दिया है । उधर अमरीका के अध्यक्ष ने कहा है कि अगर 15 जनवरी तक फौजें नहीं हटाई, तो आपस में युद्ध छिड़ जाएगा । आज की स्थिति में जब एक तरफ सद्दाम हुसैन अड़ा हुआ है और दूसरी तरफ अमरीका अपनी बात कह रहा है ।

महोदया, अगर यह वार छिड़ गया, तो भारत को किन संकटों का सामना करना पड़ेगा, इस बात पर गौर और फिक्र करने की आज सदन को आवश्यकता है । हम किन संकटों से घिर जायेंगे, हमें कौनसी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा, कितनी बड़ी फाइनेंशल क्राइसिज हमारे सामने आने वाली है । आज हम हमारी आयात का 50 प्रतिशत से अधिक तेल गल्फ कण्ट्रीज से मंगवाते हैं ।

अगर गल्फ कण्ट्रीज में यह झगड़ा हो गया, महोदया, तो हमारी यह सप्लाई

रुक जाएगी, कितना बड़ा हमारे ऊपर आर्थिक भार पड़ेगा । दस हजार करोड़ से ज्यादा का हम पहले ही नुकसान वहन कर चुके हैं और उसके बाद भी अगर यह झगड़ा हुआ, तो हमारी बहुत बड़ी हानि होने वाली है । पंद्रह लाख से ज्यादा लोग हमारे देश के उन देशों के अंदर रहते हैं ।

उनको तो यहां आना पड़ेगा या मरना पड़ेगा । सुरक्षा की दृष्टि से भारत बिल्कुल असुरक्षित है । तो महोदया, ऐसी स्थिति में मैं यह आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि यह सदन एक रेजोल्यूशन पास करे कि यह वार किसी भी कीमत पर नहीं होनी चाहिए । यह सदन एक रेजोल्यूशन पास करे किसी भी तरह से इस प्रकार के संकट को टाला जाना चाहिए, मैं आपसे यह आग्रह करता हूं ।

उपसभापति : ठीक है ।

डा० रत्नाकर पांडेय (उत्तर प्रदेश) : मैडम, पब्लिक सर्विस कमीशन के विषय में है । बहुत महत्वपूर्ण है ।

THE DEPUTY CHAIRMAN; I have not permitted you.

DR. RATNAKAR PANDEY: Kindly permit me.

THE DEPUTY CHAIRMAN; Just a second.

मैंने आपको अभी इजाजत नहीं दी है । अभी आप बैठिए जरा । अबरार अहमद ने जो बात उठाई है वह बहुत गंभीरता की बात है, सीरियस मैटर है। मैं समझती हूं कि हाउस इस पर कोई निर्णय लेगा । अगर तय करेंगे सब लोग तो रेजोल्यूशन लाने में, पीस के लिए रैजो यूशन लाने में कोई गलती नहीं है ।

SHRI KAPIL VERMA (UTTAR PRADESH); I want to say about this that the Government should tell the House what contigency plans it has formulated to meet the economic crisis in event of war. If there is a war, what is it going to do about it It should present a white paper on the situation and seeps that are being taken. The Government must tell as wnat steps it is taking to meet that situation that may be created in event of war. What are the contigency plans. The Finance Minister is here. They must tell us what contigency plans they have.

THE; D'EPUTY CHAIRMAN: Let us hope that there lis no war.

श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान (आंध्र प्रदेश) : उपसभापति महोदया, मैं इसकी ताईद करता हूं और जंग को रोकने के लिए हकूमत-ए-हिन्द क्या इकदामात कर रही है ? यह जो है, हाउस को यह बतालाएं । मेरा मतालबा हकूमत-ए-हिन्द से है ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (मध्य प्रदेश): मैडम, यह सुझाव अच्छा है कि खाड़ी की परिस्थिति के बारे में सदन में चर्चा हो । भारत अब सैक्युरिटी कौंसिल का एक मैम्बर भी बन गया है । हमारा अन्तर्राष्ट्रीय दायित्व बढ गया है । सरकार इस संबंध में, खाड़ी की ताजा स्थिति के बारे में एक वक्तव्य दे सकती है । फिर उसको चर्चा के लिए ला सकती है । मैं नहीं समझता कि हम युद्ध रोकने के लिए कोई बड़ी भारी भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन इतना बड़ा देश और पार्लियामेंट बैठ रही है और संकट सामने खड़ा है तो उसके बारे में हम अपनी भावनाएं प्रकट करें, इसका अवसर मिलना चाहिए । मैं उसका समर्थन करता हूं ।

श्री चतरानन मिश्र (बिहार) : मैं भी इसका समर्थन करता हूं . . . (**व्यवधान**)

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : मेरी आवाज भी आपके तक नहीं पहुंच रही है, . . . मेरी भी आवाज पहुंचे . . . (**व्यवधान**) . . .

DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY (Andhra Pradesh): India should take initiative in the Non-aligned Movement.

SHRI VITHALRA'O MADHAVRAO JADHAV (Maharashtra): The whole House should discuss this issue. We must express unanimously through a resolution. So, I would request through you that the Government must bring such a resolution in this House, and there must be a detailed discussion on this. *(Interruptions)*

THE IDEJPUTY CHAIRMAN: Just a minute. Let me handle one problem at a time. The matter is serious. The Chair also associates with the sentiments of the House. The entire House and the people of this country are concerned about the situation in the Gulf, and the Government is aware of it.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV; No question of giving response.

आप लोगों की भावनाएं उन्होंने सुनी हैं, जो भी गवर्नमेंट उस पर निर्णय लेगी वह करेंगे और अब आगे मामला बढ़ा है . . (व्यवधान)

श्री कपिल वर्मा : स्टेटमेंट आना चाहिए ?

उपसभापति : ठीक है, यह आपकी भी बात सुन ली और रिपीट करने से स्टेटमेंट जल्दी नहीं आ जाएगा । वह जिस टाइम पर आना है वह टाइम पर आएगा । ...(व्यवधान)...

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: Madam, the Leader is there. He should respond.

उपसभापति : अच्छा, आप सुन रहे हैं, एकदम से ऐसी बातों पर कोई रेसपांस नहीं कर सकता । जब वह मुनासिब समझेंगे तो करेंगे । . . . (व्यवधान) . .

He may consider it. Let him say that he will consider it.

SHRI KAPIL VERMA; A statement.

'THE DEPUTY CHAIRMAN: They have

उपसभापति : यकीनन, उन्होंने सुन लिया होगा । . . . (व्यवधान) . .

heard it We cannot precipitate that they should ccms with a statement. It is a sensitive, serious issue. Let the Government take its own decision, take its own time. The Members may also think of the resolution they want to bring. Then, if it comes before the House, wewill discuss it

I have nineteen special mentions.

श्रीमती सरला माहेश्वरी : उपसभापति महोदया, मैं चीखना तो नहीं चाहती लेकिन लगता है कि चीखों को दबाने के लिए चीखना ही पड़ता है ।

उपसभापति : हां, ऐसा ही होता है : बोलिए, आपका किस सिलसिले में है ।

श्रीमती सरला माहेश्वरी : उपसभापति महोदया, शुक्रिया कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया ।

उपसभापति : महोदया, मैं बहुत दुख और तीव्र रोष के साथ . . .

उपसभापति : आपका स्पेशल मेंशन है क्या ?

श्रीमती सरला माहेश्वरी : नहीं, स्पेशल मेंशन नहीं है । मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं, उपसभापति महोदया, मैं भारी दुख और तीव्र रोष के साथ इस सदन में यह आवाज उठाना चाहती हूं, यह सवाल करना चाहती हूं कि आखिर कब तक महिलाओं पर अत्याचार और उनकी इज्जत के अपहरण का अंतहीन सिलसिला चलता रहेगा उपसभापति महोदया, मेरे पास मध्य प्रदेश में आदिवासी सीताओं पर उनकी जो इज्जत का अपहरण हो रहा है, उसका मामला है ।

मामला तीन महीने पुराना है । तमाम अखबारों ने पादकीय लिखे हैं । आदिवासी औरतों की तस्वीरें छपी हैं, लेकिन इसके बावजद मध्य प्रदेश सरकार ने अब तक अपराधियों पर कोई कार्यवाही नहीं की है। क्या तुलसी की रामायण से उन्होंने यही उक्ति सीख ली है कि ---

"ढोर, गंवार शुद्र, पशु नारी, ये सब ताड़न के अधिकारी ।"

महोदया, आदिवासी औरतों पर इतना जुल्म हो रहा है कि मध्यप्रदेश की पुलिस गांव में गई वहां डाकुओं का उन्मूलन करने, लेकिन उन्होंने डाकुओं का उन्मूलन तो किया नहीं, उस पुलिस ने औरतों की इज्जतों का जरूर उन्मूलन किया । महोदया, यह घटना है बैतूल जिले के मर्दबारी गांव की । तीन महीने गुजर जाने के बाद भी आज तक मध्यप्रदेश सरकार ने इस पर कोई कार्यवाही नहीं की । पुलिस के सब-इंस्पेक्टर और उसके तमाम साथी नामी-गिरामी समाज विरोधी के घर पर इस तरह की जघन्य घटनाएं घटी हैं ।

महोदया, महिला आयोग बन चुका है और महिला आयोग विधेयक लाने वाली सरकार की तो उन्होंने भ्रूण हत्या करदी है, लेकिन इस भ्रूण हत्या में जिस पार्टी ने अहम भूमिका निभायी है, उस पार्टी के शासन में आज महिलाओं की इज्जत-आबरू खतरे में है । इसलिए मैं चाहूंगी कि केन्द्र सरकार इस मामले की तहकीकात के लिए राज्य सरकार को स्पष्ट निर्देश करे । महोदया, यह मामला अत्यंत गंभीर है । महिलाओं पर अत्याचार के सिलसिले बढ़ते जाते हैं तो वह इसलिए कि अपराधियों को कोई दंड नहीं दिया जाता । वे छुट्टे घूमते रहते हैं । जितने भी इस तरह के मामले आते हैं, सौ मामले आते हैं तो एक भी अपराधी को दंड नहीं दिया जाता है । इसलिए मैं चाहूंगी कि केन्द्र सरकार इस मामले में मध्यप्रदेश सरकार को स्पष्ट निर्देश दे और अपराधियों को तुरन्त पकड़ने की कार्यवाही करे ।

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : महोदया, यह बहुत ही गंभीर बात है । सरकार को यह चाहिए कि. . (व्यवधान) सदन को सूचित करे ।

श्रीमती मीरा दास (उड़ीसा) : मैडम, मैं सरला माहेश्वरी की बात का समर्थन करती हूं ।

श्रीमती कमला सिन्हा : इस चेयर पर बैठकर अगर आप कोई निर्णय नहीं लेंगी तो यह हमारे लिए बड़े दुख की बात होगी . . . (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN; Now, this is enough, i am not permitting anybody. I am now taking up the Special Mentions.

SHRIMATI MARGARET ALVA (Karnataka); Madam, on the same matter I have already written to the Home Minister asking him..... *(Interruptions)*

. THE DEPUTY, CHAIRMAN: Only on Special Mentions you will be permitted, not on anything else. *(Interruptions)*

होम मिनिस्टर साहब यहां बैठे हैं । आपकी भावनाएं पार्टी से ऊपर उठकर हैं । मुझे यकीन है इस पर ध्यान देंगे और पता लगाएंगे कि महिलाओं पर, आदिवासी महिलाओं पर क्यों अत्याचार हुआ है और उनको रोकेंगे. . (व्यवधान) . . अब आप बोल लीजिए या मैं बोलूं ।?

श्रीमती कमला सिन्हा : आप बोलिए ।

उपसभापति : मैं आपकी ही बात बोल रही हूं । आपकी भावनाएं उन तक पहुंचा रही हूं । आप इस पर निर्णय लीजिए कि महिलाओं पर अत्याचार कब बंद होंगे और खास तौर पर आदिवासी महिलाओं पर जो अत्याचार हो रहे हैं, उनको आप कैसे प्रोटेक्ट करेंगे, इसका आप आश्वासन दीजिए । . . . (व्यवधान) . . . बस, अब बैठ जाइए । . . . (व्यवधान) . . . अभी बता रहे हैं, जवाब दे रहे हैं. . . (व्यवधान) . . . मंत्रीजी खड़े हैं ।

SHRIMATI JAYANTI NATARA-JAN (Tamil Nadu): Madam, what about the Marxist Government in West Bengal, which.....

THE DEPUTY CHAIRMAN; L«t us not mix up the issue. Two wrongs never become right. All the wrong anywhere has to be --------- (Intemip-*tions)*

सुनने तो दीजिए, मंत्रीजी क्या कह रहे हैं । उन पर तो अत्याचार मत कीजिए ।

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कांत सहाय): महोदया, सदन में विभिन्न माननीय सदस्यों द्वारा जो भावना की गयी है और जिन सवालों की तरफ ध्यान आकृष्ट किया गया है और चैयर के निर्देशानुसार मैं संबंधित राज्य सरकारों से इन सारी चीजों के बारे में कंप्लीट रिपोर्ट मंगाऊंगा और अगर आपका आदेश हुआ तो उस रिपोर्ट को सदन में भी रखूंगा।

श्रीमती कमला सिन्हा : उपसभापति महोदया, मंत्री जी को कहा जाए कि सदन में एक बयान दें। ...(**व्यवधान**) सदन में मंत्री जो को इस पर बयान देना चाहिए।

उपसभापति : बस हो गया। अब इस बारे में कोई बात नहीं होगी। मंत्री जी के आश्वासन और चेयर के डायरेक्शन के बाद अगर आप कोई बात उठाएंगी तो वह बेकार होगी।

श्रीमती कमला सिन्हा इस संबंध में एक बयान देना चाहिए, आप कहिए। . . .

उपसभापति : इतनी जल्दी कैसे खबर आएगी सारी सरकारों से ? अगर आ जाएगी तो दे देंगे।

श्रीमती कमला सिन्हा : खबर नहीं मांग सकते ? एक दिन में डिफेक्शन करके इन्होंने सरकार बदल दी। आप इनको समर्थन देती है।

उपसभापति : This matter is serious : सीरियसली हैंडल करिए। मंत्री जी ने आश्वासन दिया है हाऊस में कि वे सारी सरकारों से पता लगाकर बतायेंगे । . . (**व्यवधान**)

श्रीमती कमला सिन्हा : औरतो की बात जब होती है तो उनको तो मजाक लगती है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now Special Menions, Shri K. K. Birla.

श्री हेच हनुमनतप्पा (कर्नाटक) : मैडम महिलाओं के ऊपर अत्याचार के बारे में आपने सुना। दलितों के ऊपर हो रहे अत्याचारों के बारे में भी सुनना चाहिए।

The previous Government with pomp and show have announced centenary programmes of Dr. B. R. Ambedkar. Actually a Committee was formed. The previous Finance Minister, Mr. Madhu Dandavate himself was a member of the Committee. After this new Government came into power, the Committee is not functioning. They have opened an office. So far no budget has been sanctioned for them. There is no stationery available in that office. There is no pencil. Nothing is available. The officials who have been posted there are only whiling away the time. All activities of the Centenary Committee have come to a stand-still. Aftar all this Government is also a part of the previous Government.

What is the stand of this Government-in this matter? The Minister for Social Welfare, Shri Ramji Lai Suman said that he will continue with all the programmes and the Committee will function up to 1992. Without any budget and without a single file, how can this Committee function? All the activities of this Committee have come to a standstill. Will the Government take note of it? The announcement which they made about the Centenary celebrations were meant only for votes. If they are sincere in their efforts, they should see that the activities of the Committee are revived and sufficient funds are provided.

श्री सुबोध कांत सहाय : महोदया, क्योंकि क्योंकि यह बात हमारे पूर्वजों के सवाल को लेकर उठाई गई है, जिनके ऊपर हमारा गौरव है, नाज है और सरकार का जिस तरफ इन्होंने ध्यान दिलाया है, वहां अगर किसी चीज की भी कमी होगी तो मैं समझता हूं कि इस सदन का सत्र खत्म होते ही मैं उसकी पूरी व्यवस्था कराऊंगा। सरकार की नीयत बहुत साफ है । यह वोट का सवाल नहीं है, यह अपने पूर्वजों को मान और मर्यादा देने का सवाल है।